युगनायक के पदचिह्नों पर बढ़ चली नवयुग की तरुणाई

स्वामी विवेकानंद जयंती के समारोहों में जगह-जगह नवसृजन का उल्लास

जन जागरण रैली

पटना (बिहार)

प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ, पटना ने स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर एक विशेष जन जागरण रैली का आयोजन किया। इसका उद्देश्य लोगों को स्वामी

पटना की जन जागरण रैली और दाहिने चित्र में उसे झण्डी दिखाते जिलाधिकारी

विवेकानन्द और पं.श्रीराम शर्मा आचार्य जैसे राष्ट्र नायकों को अपना जीवन आदर्श बनाकर आत्म सुधार के लिए प्रेरित करना था। सैकड़ों नवयुवक गले में सत्साहित्य पुस्तकालय की पट्टी लेकर तथा हाथ में सद्वाक्यों के बैनर लेकर इस रैली में शामिल हुए।

जिलाधिकारी डॉ. वी. राजेन्द्र एवं एस.डी.एम. श्री पी.के. पाण्डेय ने युगनिर्माणी झंडी दिखाकर इस रैली को रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने सदुद्देश्य के लिए समर्पित इतनी बड़ी युवा फौज को देखकर इसे आने वाले समय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण बताया और माह में एक बार उनके बीच आकर मार्गदर्शन-उत्साहवर्धन की बात कही। युवा प्रकोष्ठ संचालक श्री मनीष कुमार ने इसके समापन समारोह को संबोधित करते हुए युवकों को राष्ट्र देवता को समर्पित उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा दी। शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री ए.के. द्विवेदी तथा वरिष्ठ परिजन की सत्येन्द्र राय, श्री राम किशोर चौधरी आदि इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रायबरेली (उत्तर प्रदेश)

चिर युवा विवेकानन्द जी के जन्म दिवस को युवा जागृति मंच गायत्री परिवार रायबरेली के भाई-बहनों ने 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया। इस उपलक्ष्य में 'युवा अभिव्यक्ति' के नाम से एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें 'युवाओं के भटकाव का कारण एवं निवारण' पर लेख आमन्त्रित किए गये। सैकड़ों युवा भाइयों ने इस विषय पर अपना चिन्तन प्रस्तुत किया। अपने लेखों के माध्यम से उन्होंने युवाओं के वर्तमान भटकाव के लिए परिवार, समाज, बेरोजगारी, मीडिया, पाश्चात्य संस्कृति आदि को दोषी बताया।

इन समस्याओं के निवारण के लिए सभी भाई-बहनों ने गायत्री परिवार द्वारा चलाये जा रहे कार्यों की प्रंशसा करते हुए रचनात्मक कार्यो में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात रखी। इसके साथ-साथ वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के सुधार की बात भी मुख्य रूप से उठाई गई।

इस प्रतियोगिता के पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल इंजीनियर प्रवक्ता मात्र २२ वर्षीय श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान, फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के हिन्दी प्रवक्ता श्री शिवानन्द मिश्रा 'लाले' ने द्वितीय स्थान एवं इसी कॉलेज की छात्रा सुश्री सारिका द्विवेदी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इन सभी को १२ जनवरी 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर आयोजित युवा सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

युवा सम्मेलन में फिरोज गाँधी डिग्री कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ भाई भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता मनीषी डा. जे.डी.द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। इसके अतिरिक्त गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक श्री बी.बी.सिंह, श्री राकेश सिंह, अवध लोक सेवा संस्थान के श्री सचिव भुजंग भूषण शर्मा, भा.सं.ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक श्री हर प्रसाद सिंह, डा.बी.पी.मिश्रा, युवा प्रतिनिधि पत्रकार श्री अनिल मिश्रा एवं मीना सिंह ने इस कार्यक्रम में युवाओं का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम में युवा मंच के प्रमुख श्री सन्दीप त्रिपाठी ने पिछले वर्ष किए गये कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें पोठई अग्निकाड़ में युवाओं द्वारा राहत कार्य, व्यसन मुक्ति जन-जागरण अभियान, प्रज्ञावतार नाटक का मंचन, व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन एवं विराट पुस्तक मेले में युवाओं की सराहनीय भूमिका को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस वर्ष व्यसन मुक्ति अभियान को घर-घर पहुँचाने, प्रत्येक घर में पाँच पौधों का रोपण करने, युवा प्रतिभाओं का सरंक्षण एवं मार्गदर्शन करने के साथ विद्यालयों के बच्चों की समस्याओं के समाधान के संदर्भ में कार्यशाला आयोजित करने को मंच का प्रमुख कार्यक्रम बताया।

मेधावी बच्चों का सम्मान

गिरिडीह (झारखण्ड)

गायत्री शक्तिपीठ गिरिडीह पर १२ जनवरी को प्रातः यज्ञोपरांत विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिले की भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की संचालक इकाई, विद्यालय प्रतिनिधि शिक्षकगण, वर्ष २००७ के वरीयता प्राप्त विद्यार्थी, उनके अभिभावक मुख्य रूप से आमंत्रित थे।

विवेकानंद जयंती समारोह को मुख्य रूप से शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी श्री कामेश्वर सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज देश की दुर्दशा संसाधनों के अभाव से नहीं, बल्कि संस्कारों के अभाव से है। शिक्षण संस्थान अपने विद्यार्थियों को बड़े-बड़े अधिकारी, चिकित्सक, अभियंता, उद्योगपति तो बना लेते हैं, लेकिन उन्हें ईमानदार और जिम्मेदार बनाने के प्रयासों का सर्वधा अभाव है। जिस दिन अपनी शिक्षा पद्धति में गुणों को प्रधानता दी जाने लगेगी, उसी दिन से अपना देश महानता के मार्ग पर चल पड़ेगा, जिसका प्रयास स्वामी विवेकानंद जैसी महान आत्माओं ने किया है।

समारोह को सर्वश्री हरिप्रसाद यादव, नेमीचंद आरजी, डॉ. तुलसी प्रसाद, वीणा अग्रवाल, सुधीर कुमार पाण्डेय, यशोदा देवी, पूनम देवी, गिरिधर नारायण सिंह और शंकर ठाकुर ने भी संबोधित किया। सुधा अग्रवाल कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। समारोह में १३ विद्यालय के ३३ छात्र-छात्रओं, १३ शिक्षकों तथा ५० अभिभावकों को प्रमाण पत्र, नकद पुरस्कार तथा विद्या विस्तार सेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

आरा, भोजपुर (बिहार)

प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ आरा ने स्वामी विवेकानन्द जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सत्प्रवृत्तियों की ओर जनमानस का ध्यान आकर्षित किया। 'समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका' पर सेमीनार तथा 'क्रांति की जलती लाल मशाल, थाम लो भारत माँ के लाल' इनमें प्रमुख आकर्षण थे। नगर निगम आयुक्त, आरा श्री विनोद कुमार झा, जोनल प्रतिनिधि श्री शिवदास सिन्हा तथा प्रो. सच्चिदानंद सिंह इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रो. सच्चिदानंद सिंह ने अपने उद्बोधन में युवकों को स्वामी जी के विचारों को जीवन में उतारकर अपनी संस्कृति के पुनरोत्थान के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवकों को युगधर्म पहचानने, उस दिशा में सक्रिय होने तथा नशे जैसी तुच्छ प्रवृत्तियों को त्यागने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम की तमाम मनमोहक प्रस्तुतियों तथा अतिथियों के आशीर्वचनों ने भी युवा पीढ़ी को सही राह पहचान कर उस पर चलने की अपनी-अपनी तरह से प्रेरणा दी।

यज्ञ के साथ संदेश

इन्दौर (मध्य प्रदेश)

युवा प्रकोष्ठ इन्दौर ने विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य में नगर के रहवासी संघ उद्यान, स्कीम नम्बर ५४, विजय नगर में पाँच कुण्डीय गायत्री यज्ञ का आयोजन कर समाज में आत्मोत्थान की उमंग जगायी। १२ जनवरी को २५१ कलशधारी बहिनों और जोशीले नारे लगाते नवयुवकों ने कलश यात्रा के साथ यज्ञ समारोह का शुभारंभ किया। कलश यात्रा में स्वामी जी की झाँकी के साथ उनका चिर प्रासंगिक संदेश 'उठो, जागो और रुको नहीं, जब तक कि लक्ष्य को प्राप्त न कर लो.......' बुलंद होता रहा। गायत्री परिवार ने समाज को गायत्री और यज्ञ को अपनाने की तथा नशे जैसी सत्यानाशी कुरीतियों को छोड़ने की प्रेरणा दी।

१२ एवं १३ जनवरी के पंच कुण्डीय विद्या विस्तार आयोजन में नशा मुक्ति प्रदर्शनी भी लगायी गयी। प्रथम दिन सायंकाल सम्पन्न २४०० दीपयज्ञ के अवसर पर ग्लोबल वॉर्मिंग और पर्यावरण संकट जैसी समस्याओं के समाधान के लिए यज्ञ संस्कृति के विस्तार का आह्वान किया गया। कार्यक्रम आयोजन में सर्वश्री विनय त्रिपाठी, महेन्द्र मोहन भट्ट, सचिन राजेश पटेल, राजेन्द्र सोलंकी आदि ने ओजस्वी उत्साह दर्शाया।

इन्दौर में यज्ञ से पहले निकली कलश यात्रा और रैली

व्यसनमुक्ति प्रदर्शनी

जमशेदपुर (झारखण्ड)

नवयुग दल, टाटा नगर ने स्वामी विवेकानन्द जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हुए व्यसन मुक्त समाज की स्थापना के लिए प्रयास किये। इस उपलक्ष्य में नवयुग दल द्वारा साकची, गोल चक्कर के पास व्यसनमुक्ति प्रदर्शनी लगायी गयी। शक्तिपीठ के प्रबंध ट्रस्टी श्री प्रभाकर राव ने दीप प्रज्वलन के साथ इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने युवकों को राष्ट्र की रीढ़ बताते हुए कहा कि स्वस्थ, सशक्त युवा ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। अतः राष्ट्र की प्रगति के आकांक्षी नवयुवकों को नशे से दूर रहना होगा।

प्रदर्शनी में जन जागरण और परामर्श के साथ लोगों को नशा विरोधी परिपत्र एवं गुरुवर का सत्साहित्य बाँटे गये। कार्यक्रम का समापन व्यसन रूपी दानव के पुतले के दहन के साथ हुआ। सैकड़ों उपस्थित लोगों ने व्यसन के विरोध में आवाज बुलंद की। ☯

गणतंत्र दिवस एवं वसंत पर्व की आकर्षक प्रस्तुतियाँ

लोंग आइलैण्ड, न्यूयॉर्क (अमेरिका)

लोंग आईलैण्ड में प्रज्ञाबेन पटेल द्वारा चलाई जा रही बाल संस्कार शाला (गायत्री ज्ञान केन्द्र लोंग आईलैण्ड) के बच्चों ने २७ जनवरी को देशभक्ति से ओतप्रोत गणतंत्र दिवस एवं वसंत पर्व समारोह मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित ३०० लोगों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजो रहे नन्हे-मुन्नों की प्रस्तुति पर गौरव अनुभव किया। उल्लेखनीय है कि यह बाल संस्कार शाला गांधी जयंती, दशहरा, दीवाली जैसे पर्व अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप ही मनाती है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का दृश्य बड़ा ही गौरवपूर्ण एवं उत्साहवर्धक था। कार्यक्रम का आरंभ प्रज्ञाबेन के स्वागत उद्बोधन से हुआ। तत्पश्चात् बाल संस्कार शाला के बच्चों ने प्रार्थना की। नन्हे बच्चे अपने हाथों में छोटे राष्ट्रध्वज लिए स्वयंसेवकों के साथ ध्वज स्तंभ की ओर बढ़े। सबसे छोटे अक्षय मल्होत्रा ने ध्वजारोहण किया, फिर राष्ट्रगान हुआ। इस अवसर पर श्री महेन्द्र पटेल ने प्रथम गणतंत्र दिवस की स्मृतियों को बाँटते हुए समारोह को जीवंत कर दिया।

बाल संस्कार शाला के बच्चों ने अपने देश के १० महापुरुषों का अलग अन्दाज में सम्मान किया। बच्चे उन महापुरुषों की वेषभूषा में एक के बाद एक आगे बढ़े। उस समय आयोजकों ने उस महापुरुष के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बच्चों ने गाँधी जी, कस्तूरबा, भगत सिंह, नेहरू, सुभाष, प.पू. पं.श्रीराम शर्मा आचार्य जी की वेषभूषा धारण की थी। तत्पश्चात् बाल समूह ने केशरिया, सफेद और हरी टीशर्ट पहनकर परेड की और तालियाँ की गड़गड़ाहट के बीच राष्ट्र ध्वज की आकृति बनायी तथा 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा.......' गीत गया।

गणतंत्र दिवस समारोह के बाद वसंत पंचमी समारोह मनाया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार की लोंग आइलैण्ड शाखा के प्रमुख श्री प्रणीण कापड़िया ने प.पू. गुरुदेव के आध्यात्मिक जन्म दिवस के रूप में पर्व का परिचय दिया। तत्पश्चात् बच्चे युगनिर्माण की प्रतीक लाल मशाल की आकृति में खड़े हुए। जनसभा को लाल मशाल का परिचय एकता, शक्ति एवं सकारात्मक चिंतन की प्रतीक के रूप में दिया गया। सबने मिलकर नये युग के निर्माण के संकल्प लिए। गायत्री परिवार द्वारा संचालित इस नयनाभिराम समारोह को दो बड़े टीवी चैनल आईटीवी तथा आस्था ने दिखाया और टीवी एशिया ने समाचार दिये। ☯

विचार क्रांति की लाल मशाल और तिरंगे के रूप में खड़े हुए गायत्री ज्ञान केन्द्र लोंग आईलैण्ड के बच्चे

काम को कल के लिए टालते रहना और आज का दिन आलस्य में बिताना कोई समझदारी नहीं, महामूर्खता है।